‘प्रोजेक्ट कवच’

चर्चा में क्यों?

हाल ही में झारखंड में स्थति बोकारो स्टील प्लांट (बीएसएल) के प्रबंधन ने प्लांट स्तर पर सुरक्षा प्रदर्शन में सुधार के उद्देश्य से सुरक्षा संस्कृति में परविर्तन के लयि ‘प्रोजेक्ट कवच’ लॉन्च कयिा है।

प्रमुख बदिु

- बीएसएल ने ‘सुरक्षा सांस्कृतकि परविर्तन’ को सफलतापूर्वक प्राप्त करने के लयि एक रोड मैप की सुवधिा, संचालन और प्रशक्षिण प्रदान करने हेतु एक प्रतषि्ठति सुरक्षा सलाहकार ‘एएसके-ईएचएस इंजीनयिरगि एंड कंसल्टेंट्स प्राइवेट लमिटिेड’ नयिुक्त कयिा है।
- इस प्रमुख सुरक्षा पहल सह सांस्कृतकि अभयिान को बीएसएल द्वारा ‘परयिोजना कवच’ नाम दयिा गया है।
- प्रोजेक्ट कवच का संपूरण उद्देश्य सभी कर्मचारियों और अनुबंध कर्मचारियों द्वारा सुरक्षति व्यवहार के माध्यम से कार्यस्थल के खतरों को कम करना है। कार्यस्थल पर खतरों और जोखमिों के खलिाफ सुरक्षति व्यवहार सबसे प्रभावी ‘कवच’ है।
- बोकारो इस्पात कारखाना सार्वजनकि क्षेत्र में चौथा इस्पात कारखाना है। यह सोवयित संघ के सहयोग से 1965 में प्रारंभ हुआ था।
- आरंभ में इसे 29 जनवरी, 1964 को एक लमिटिेड कंपनी के तौर पर नगिमति कयिा गया और बाद में सेल के साथ इसका वलिय हुआ। पहले यह सेल की एक सहायक कंपनी और बाद में सार्वजनकि क्षेत्र लोहा और इस्पात कंपनयिाँ (पुनर्गठन एवं वविधि प्रावधान) अधनियिम, 1978 के अंतर्गत एक यूनटि बनाई गई। कारखाने का नरि्माण कार्य 6 अप्रैल, 1968 को प्रारंभ हुआ।
- यह कारखाना देश के पहले स्वदेशी इस्पात कारखाने के नाम से वखि्यात है। इसमें अधकितर उपकरण, साज-सामान तथा तकनीकी कौशल स्वदेशी ही हैं।
- कारखाने का 17 लाख टन इस्पात पडि का प्रथम चरण 2 अक्टूबर, 1972 को पहली धमन भट्ठी चालू होने के साथ ही शुरू हुआ तथा नरि्माण कार्य तीसरी धमन भट्ठी चालू होने पर 26 फरवरी, 1978 को पूरा हो गया।
- 40 लाख टन चरण की सभी यूनटिें चालू हो चुकी हैं और 1990 के दशक में आधुनकिीकरण से कारखाने की क्षमता बढ़ाकर 45 लाख टन तरल इस्पात की कर दी गई है।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/project-kavach